हिंदी विभाग

कला एवं विज्ञान महाविद्यालय की स्थापना सन् 1999 में चिंचोली (लिं) इस गांव में हुई और महाविद्यालय स्थापना के साथ साथ हिंदी विभाग में 1999 से शुरू हो गया। हिंदी का क्षेत्र अत्यंत विस्तृत है तथा बहुत व्यापक है। हिंदी प्रत्येक दृष्टि से भारत की सर्वाधिक व्यापक समृद्ध और महत्वपूर्ण भाषा है। स्वतंत्रता पूर्व से ही हिंदी को संपर्क भाषा के रूप में अधिक लोकप्रियता प्राप्त हुई है तथा स्वतंत्र भारत में भी देश की प्रगति में हिंदी भाषा का विशेष महत्व रहा है। भारत में लगभग ८० करोड़ तक लोग हिंदी को संपर्क भाषा के रूप में बोलते और समझते हैं।

आज के इस वैज्ञानिक युग में भी हिंदी एक महत्वपूर्ण भाषा बनकर उभर रही है क्योंकि उसमें वह सभी गुण उपलब्ध है जो एक समृद्ध एवं सक्षम भाषा में होने चाहिए आज ऐसा कोई एक क्षेत्र नहीं है जहाँ हिंदी को स्थान नहीं है। व्यापक प्रयोग एवं जन लोकप्रियता के कारण हिंदी भारत की स्वयं सिद्ध राष्ट्रभाषा की ओर अग्रसर हो रही है । अपनी लोकप्रियता तथा उपयोगिता के कारण ही आज न केवल अपने देश के विश्वविद्यालयों में अपितु सारे विश्व के अनेक विश्वविद्यालयों में हिंदी भाषा का अध्ययन, अध्यापन तथा अनुसंधान की सुविधाएं उपलब्ध है। हिंदी सर्वाधिक प्रभावशाली एवं समृद्ध भाषा है और इसी कारण हमारे महाविद्यालय में हिंदी विभाग की स्थापना की गई।

अध्ययन-अध्यापन और मार्गदर्शन के अलावा हिंदी विभाग के प्राध्यापक महाविद्यालय को प्रशासन, अनुसंधान के क्षेत्र में भी उत्कृष्ट योगदान दे रहे हैं। समीक्षक, अनुवादक और लेखक के नाते इनकी पहचान बनी है। विद्यार्थियों के अध्ययन-अध्यापन के साथ ही उनके विविधोमुखी विकास के लिए स्पर्धाओं का आयोजन, चर्चासत्र आयोजन, भीत्तिपत्रक प्रकाशन, लेखन मार्गदर्शन, वार्षिकांक, पत्र-पत्रिका लेखन हेतु मार्गदर्शन, निबंध, कविता लेखन मार्गदर्शन, वक्तृत्व मार्गदर्शन आदि प्रकार के विद्यार्थी व्यक्तित्व विकास आयामों को अंजाम दिया जाता है।

विभागीय कार्यक्रम एवं मुख्य गतिविधियां

१) हिंदी दिवस समारोह -14 सितंबर
२) “पहल” भीत्तिपत्रक प्रकाशन
३) विशेष व्याख्यानों एवं चर्चाओं का आयोजन
४) छात्रों के लिए विभागीय ग्रंथालय
५) हिंदी भाषा के प्रति छात्रों में आकर्षण निर्माण हेतु विभागीय प्रतियोगिताओं का आयोजन

हिंदी भाषा और रोजगार के सुअवसर

१) अनुसंधान का क्षेत्र।
२) अध्यापकीय क्षेत्र।
३) अनुवादकीय क्षेत्र।
४) कामकाजी अनुवादक।
५) कार्यालयों में राजभाषा अधिकारी।
६) विभिन्न कार्यालयों में दुभाषक।
७) हिंदी पत्रकारिता।

८) माध्यमों में हिंदी सूत्रसंचालक।
९) मुद्रित माध्यमों में मुद्रित शोधक।
१०) नाटक और फिल्मी जगत् में संवाद लेखक, धारावाहिक लेखन।
११) संहिता लेखन - नाटक, फिल्म,धारावाहिक।
१२) स्पर्धा परीक्षाएं।
१३) दुभाषक।
१४) साहित्य और समीक्षा लेखन।
१५) ऍनिमेशन और डबिंग।
१६) सृजनात्मक लेखन।
१७) व्यावसायिक लेखन।
१८) हिंदी विज्ञापन लेखन।
१९) निवेदक।
२०) भाषा संचालक।
२१) संपादक - समाचार चैनल, समाचार पत्र आदि में।

नाम : डॉ. विक्रमसिंह विजयसिंह पवार (विभागप्रमुख)
शैक्षिक पात्रता : एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी.
पद : सहयोगी प्राध्यापक
विषय विशेषज्ञता : हिंदी काव्य साहित्य
अनुसंधात्मक विशेषज्ञता : 1. हिंदी काव्य रचनाकार।
2. आधुनिक हिंदी काव्य साहित्य।
प्रकाशित शोधलेख : राष्ट्रीय पत्रिका-(१२), आंतराष्ट्रीय पत्रिका-(१७)
ई-मेल : vikramsingh08.pawar@@gmail.com
Other :-

नाम : डॉ. सुनील बाबूराव काळे
शैक्षिक पात्रता : एम.ए., एम.फिल.,नेट, पीएच.डी.
पद : सहयोगी प्राध्यापक
विषय विशेषज्ञता : हिंदी अनुवाद साहित्य
अनुसंधात्मक विशेषज्ञता : 1. हिंदी साहित्यिक अनुवादकार।
2. आधुनिक हिंदी तथा मराठी अनुवादित साहित्य।
प्रकाशित शोधलेख : राष्ट्रीय पत्रिका-(२४), आंतराष्ट्रीय पत्रिका-(३)
ई-मेल : sunilkale95@gmail.com
Other:-